

شہیار قنبری

Shahyar Ghanbari

در یاد من

The Sea In Me

گزینہی ترانہ‌ها 1969-1995

Selected Lyrics 1969-1995



مؤسسہ انتشارات نگاه

اشاره‌ی شاعر:

چاپ غیرقانونی و بی‌اجازه‌ی این کتاب از سوی «جاویدان» با ۲۰۰ صفحه‌ی بد پرغلط، تکه‌تکه شده، بی‌پانوشت و تصویر در ۲۰۰ صفحه‌ی بدسلیقه منتشر شده است که همچنان، شوخ‌چشمانه می‌فروشند. چاپ رسمی، قانونی و زیر نظر شاعر اما، در ۳۸۳ صفحه، با پانوشت و شناسنامه و تصویر و خاطره اینک به همّت «مؤسسه‌ی انتشارات نگاه» از آن شماس است.

فهرست

|    |  |
|----|--|
| ۱۳ | «قدیسِ غزلزار»                         |
| ۱۸ | اشاره‌هایی به روایت کامل و روایت جاهل: |
| ۲۰ | ترانه یعنی: انفجار کلمه!               |
| ۲۸ | مقدمه‌ی نخستین چاپ کتاب در ایران       |
| ۵۳ | ستاره‌ی ستاره                          |
| ۵۶ | دیگه اشکم واسه من ناز می‌کنه           |
| ۵۹ | بیزار                                  |
| ۶۱ | یادم باشه، یادت باشه                   |
| ۶۳ | اگه بمونی                              |
| ۶۵ | غریبه                                  |
| ۶۷ | قصه‌ی دو ماهی                          |
| ۷۲ | قصه‌ی بره و برگ                        |

|          |                                 |
|----------|---------------------------------|
| ۷۴.....  | همنفس.....                      |
| ۷۸.....  | قصه‌ی لب‌های یخ بسته.....       |
| ۸۱.....  | از خودم بدم می‌آد.....          |
| ۸۳.....  | نگونه.....                      |
| ۸۵.....  | رحم کن.....                     |
| ۸۷.....  | مرد تنها.....                   |
| ۹۷.....  | بین ما هر چی بوده تموم شده..... |
| ۱۰۰..... | بوی خوب گندم.....               |
| ۱۰۴..... | نفرین‌نامه.....                 |
| ۱۰۷..... | شام آخر.....                    |
| ۱۱۲..... | هنوز.....                       |
| ۱۱۵..... | بنویس، نامه‌نویس.....           |
| ۱۱۸..... | غنیمت.....                      |
| ۱۲۰..... | جمعه.....                       |
| ۱۲۵..... | نماز.....                       |
| ۱۳۰..... | هفته خاکستری.....               |
| ۱۳۴..... | کودکانه.....                    |
| ۱۳۹..... | سقوط.....                       |
| ۱۴۲..... | خواب خوب من.....                |
| ۱۴۴..... | همیشه غایب.....                 |
| ۱۴۹..... | گستاخی.....                     |
| ۱۵۳..... | کمی با من مدارا کن.....         |

|          |                                 |
|----------|---------------------------------|
| ۱۵۶..... | اسب چوبی.....                   |
| ۱۵۹..... | بزرگوارا.....                   |
| ۱۶۱..... | غزلگریه.....                    |
| ۱۶۴..... | باج.....                        |
| ۱۶۶..... | حرف.....                        |
| ۱۷۲..... | درخت بی‌زمین.....               |
| ۱۷۴..... | به من تکیه کن.....              |
| ۱۷۷..... | از ستاره به (اقاقی).....        |
| ۱۷۹..... | غزل کوچه‌باغ (ما رو باش).....   |
| ۱۸۱..... | صدا.....                        |
| ۱۸۳..... | به خود رسیدن.....               |
| ۱۸۶..... | گریه در رگبار.....              |
| ۱۸۹..... | آوار.....                       |
| ۱۹۲..... | می‌نویسم از تو.....             |
| ۱۹۵..... | سنگ‌ری سنگ.....                 |
| ۱۹۷..... | هجرت.....                       |
| ۲۰۰..... | نفس.....                        |
| ۲۰۵..... | بی‌بی دل.....                   |
| ۲۰۷..... | نخواها.....                     |
| ۲۱۱..... | بچه‌های مهاباد.....             |
| ۲۱۵..... | مرا نترسان دوست.....            |
| ۲۱۸..... | لالا لالا دیگه بسه گل لاله..... |

|          |                            |
|----------|----------------------------|
| ۲۸۳..... | غیبت نور                   |
| ۲۸۵..... | شب                         |
| ۲۸۷..... | آخر عشق                    |
| ۲۹۰..... | غزلک                       |
| ۲۹۴..... | بالای نی                   |
| ۲۹۸..... | ازنو...                    |
| ۳۰۱..... | سکوت                       |
| ۳۰۳..... | قفس تنگ و نفس تنگ          |
| ۳۰۵..... | اقا.....                   |
| ۳۰۷..... | دوباره ها                  |
| ۳۰۹..... | اکسیژن                     |
| ۳۱۲..... | تصویر آخر                  |
| ۳۱۵..... | با من باش                  |
| ۳۱۷..... | مشق من                     |
| ۳۲۰..... | شهر بی فرشته               |
| ۳۲۲..... | حریق دریا                  |
| ۳۲۵..... | عطرتو                      |
| ۳۲۷..... | عشق است                    |
| ۳۲۹..... | قدغن                       |
| ۳۳۴..... | Our Children will remember |
| ۳۳۷..... | Rise up                    |
| ۳۴۰..... | Forbidden                  |

|          |                  |
|----------|------------------|
| ۲۲۳..... | دل ریخته         |
| ۲۲۶..... | خورشید بی حجاب   |
| ۲۲۹..... | نازک             |
| ۲۳۲..... | هوا              |
| ۲۳۶..... | تمام من          |
| ۲۳۹..... | باش تا           |
| ۲۴۲..... | دلک من           |
| ۲۴۴..... | خوب بد           |
| ۲۴۷..... | بهترین           |
| ۲۵۰..... | سبز سبز          |
| ۲۵۲..... | قرقیان           |
| ۲۵۴..... | معلم بد          |
| ۲۵۷..... | فرفره های بی باد |
| ۲۶۰..... | خانگی            |
| ۲۶۲..... | غزلبانو          |
| ۲۶۵..... | تا روز مبادا...  |
| ۲۶۷..... | گریه اگر بگذارد  |
| ۲۷۰..... | ضیافت بی خوابی   |
| ۲۷۲..... | ناپ              |
| ۲۷۵..... | باید، شاید       |
| ۲۷۸..... | عید صدا مبارک    |
| ۲۸۱..... | ترانه ی ما       |

شهباز قنبری

- ۳۴۲..... اولین بار  
 ۳۴۵..... سفرنامه  
 ۳۵۰..... Once again  
 ۳۵۳..... بی بی آبی  
 ۳۵۷..... غسل تعمید  
 ۳۶۰..... The sea in me

## «قدیس غزلزار»

شادباش می گویم:

هشتادمین زادروزت را.

قدیس

باژن، عالیجناب

عالیجناب ناب

«ترانه خانه» رو

با «زهی» ها، دریاب!

تنهایی یکسره

درقاب پنجره

این جا همه بی یار

همه از هم بیزار

شبیخون «تاتار»

دریا در من

The sea in me